दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२६४ वा | गुरूवार २४ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

भयानक आतंकी हमले के खिलाफ महाराष्ट्र में तीव्र विरोध प्रदर्शन

कड़ी कार्रवाई और पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करने की मांग

विशेष संवाददाता, मुंबई

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में भी मुंबई सहित राज्य के विभिन्न शहरों में राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिक संस्थाओं की ओर से इस कायराना हमले की तीव्र निंदा की गई। सभी ने एक सुर में आतंकियों को कड़ी सज़ा देने और पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करने की मांग की।

जानकारी के अनुसार, पहलगाम में ४ आतंकवादियों द्वारा किए गए इस हमले में अब तक कुल २७ पर्यटकों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में महाराष्ट्र के भी छह पर्यटक शामिल हैं। इस घटना के विरोध में राज्यभर में रोष दिखाई दिया। कई स्थानों पर विरोध सभाएं और रैलियां निकाली गईं।

मुंब्रा, मुंबई, कोल्हापुर, सोलापुर और सांगली जैसे शहरों में मुस्लिम संगठनों द्वारा मोर्चे निकाले गए। इन प्रदर्शनों में आतंकियों और पाकिस्तान के प्रतीकात्मक झंडों की होली जलाकर नारेबाज़ी की गई।

दादर पूर्व में भाजपा दक्षिण मध्य मुंबई ज़िले की ओर से एक विरोध सभा का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा मुंबई महामंत्री सुनील राणे, विधायक संजय उपाध्याय, विधायक कैप्टन तमिल सेल्वन समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर ज़िला अध्यक्ष राजेश शिरवडकर, महामंत्री नीरज उभारे, विलास आंबेकर, मुंबई सचिव जितेंद्र राऊत, नगरसेविका राजेश्री शिरवडकर, नेहल शाह, आशा मराठे और महादेव शिवगण भी उपस्थित थे। इसी प्रकार उत्तर मुंबई के एस.वी. रोड पर भी जोरदार प्रदर्शन हुआ, जिसमें विधायक अतुल भातखलकर, योगेश सागर, मनीषा चौधरी, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, पूर्व विधायक विजय भाई गिरकर, ज़िला अध्यक्ष गणेश खणकर समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य, दक्षिण और पूर्वोत्तर मुंबई ज़िलों में भी स्थानीय विधायकों और भाजपा नेताओं की उपस्थिति में विरोध प्रदर्शन किए गए। हमले में मारे गए राज्य के नागरिकों को श्रद्धांजलि

आतंकी हमले में दुर्भाग्यवश जान गंवाने वाले डोंबिवली निवासी संजय लेले और पनवेल निवासी दिलीप डिसले के पार्थिव शरीर को मुंबई हवाई अड्डे पर लाया गया। राज्य सरकार की ओर से उनके परिजनों से भेंट कर संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर दिलीप डिसले और संजय लेले को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, मंत्री गुलाबराव पाटील, मंत्री दादा भुसे, मंत्री योगेश कदम, सांसद श्रीकांत शिंदे और पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों की सुरक्षा के लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने संभाली कमान

हर नागरिक की सुरक्षित वापसी प्राथमिकता, पर्यटकों की वापसी के लिए अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था

मुंबई, २३ अप्रैल (अज़ीज़ एजाज) - जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले के बाद महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह सक्रिय हो गई है ताकि राज्य के फंसे हुए पर्यटकों की सुरक्षा और उन्हें सकुशल घर लाने की प्रक्रिया को सुनिश्चित किया जा सके। इस सिलसिले में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर संपर्क कर त्वरित राहत और सहायता की अपील की।

अजित पवार ने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हर प्रभावित परिवार को भरोसे में लेना और प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित घर वापस लाना है। इसके तहत आपदा नियंत्रण कक्ष में विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी जो सीधे फंसे पर्यटकों से संपर्क में रहेंगे और आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने पर्यटकों के परिजनों से भी अपील की कि वे घबराएं नहीं।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ तालमेल रखते हुए हरसंभव सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोळ से संपर्क कर पर्यटकों की वापसी के लिए विशेष उड़ानों की मांग की है। अधिक से अधिक उड़ानों की योजना बनाई जा रही है ताकि पर्यटकों की जल्द और सुरक्षित वापसी संभव हो सके।

पवार स्वयं इस पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं और राज्य तथा केंद्र की एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग और आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली को हाई अलर्ट पर रखा है और स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। उन्होंने कुछ फंसे हुए पर्यटकों से फोन पर बात कर उन्हें ढांढस भी बंधाया।

उपमुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए हैं कि यदि कोई महाराष्ट्र का नागरिक इस हमले में मृत पाया गया हो तो उसका पार्थिव शरीर तुरंत राज्य में लाया जाए, घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, और होटलों में फंसे सभी पर्यटकों को सुरक्षित रूप से वापस लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह पूरा अभियान तेजी और समन्वय के साथ संपन्न किया जाएगा।

अजित पवार ने राज्य के नागरिकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील की और कहा कि पर्यटकों के परिजनों को समय पर और सही जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि पर्यटकों की सूची, उनके ठहरने का विवरण और वापसी की संभावित योजना पर कार्य किया जा रहा है।

भारत सरकार के पांच बड़े फैसले

दिल्ली (संवाददाता)

सिंधु जल समझौता किया गया स्थगित, पाकिस्तान को अब पानी नहीं मिलेगा जैसा पहले मिलता था

अटारी बॉर्डर से सभी प्रकार की आवाजाही तत्काल प्रभाव से रोकी गई

पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए, उन्हें ४८ घंटे के भीतर भारत छोड़ने का निर्देश

भारत में स्थित पाकिस्तानी दूतावास बंद करने का फैसला, साथ ही पाकिस्तान में भारतीय दूतावास भी बंद किया जाएगा। पाकिस्तानी राजनयिकों को ७ दिन में देश छोड़ने को कहा गया है

नई वीजा नीति के तहत किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को वीजा जारी नहीं किया जाएगा, अगली सूचना तक प्रतिबंध लागू रहेगा।

पाक समर्थित आतंकियों के खिलाफ बीड़ जिला शिवसेना का आक्रामक रुख!

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना हमले का शिवसेना ने किया जोरदार विरोध

बीड़, प्रतिनिधि: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में कई निर्दोष पर्यटकों की मौत हो गई। इस नृशंस घटना से देशभर में डर और आक्रोश का माहौल उत्पन्न हो गया है। आतंकियों के इस कायराना हमले के खिलाफ बीड़ जिला शिवसेना की ओर से आज दोपहर १२ बजे धुले-सोलापुर राष्ट्रीय महामार्ग पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

यह आंदोलन शिवसेना जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप, जिला प्रमुख सचिन मुळूक और जिला प्रमुख स्वप्नील गलधर के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान गुस्साए शिवसैनिकों ने पाक समर्थित आतंकवादियों के फोटो पर चप्पलों से प्रहार किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए।

शिवसेना नेताओं ने कहा कि जब भारत विश्व मंच पर लगातार सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है, ऐसे समय में पाकिस्तान समर्थित आतंकी देश में अस्थिरता फैलाने के लिए बार-बार कायराना हमले करते हैं और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाते हैं। लेकिन भारत की सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से आतंकियों की तलाश में लगी हैं।

जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप ने मीडिया से बात करते हुए कहा, एक शिवसैनिक होने के नाते मेरी यह मांग है कि जहां भी पाकिस्तान समर्थित आतंकी नजर आएं, वहीं उनका अंत किया जाए ताकि भविष्य में कोई दुश्मन भारत की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत न कर सके। बीड़ जिला शिवसेना ने इस हमले के विरोध में सड़कों पर उतरकर कड़ा विरोध जताया है।

इस विरोध प्रदर्शन में शिवसेना, युवासेना, शेतकरी सेना, ओबीसी सेना, अनुसूचित जाति-जनजाति सेना, एसटी कामगार सेना और सभी संबद्ध संगठनों के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित थे।

चराई अनुदान की राशि मेंढपाळों के खातों में जमा-पंकजा मुंडे

मुंबई, २३ अप्रैल (प्रतिनिधि):

राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के भटकते मेंढपाळ (चरवाहों) और बकरियां पालने वाले समुदाय को बड़ी राहत दी है। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी विकास महामंडळ की ओर से राज्यभर के ३,०५४ पात्र मेंढपाळों को वर्ष २०२४-२५ के लिए चराई अनुदान के रूप में कुल ७ करोड़ ३३ लाख रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा की गई है। यह जानकारी पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने दी।

मंत्री मुंडे ने कहा कि इस आर्थिक सहायता से मेंढपाळों को स्थायी आय का स्रोत मिला है, जिससे उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता आई है। महाराष्ट्र में मेंढी पालन एक पूरी तरह से स्थलांतरित (घुमंतु) प्रणाली पर आधारित व्यवसाय है। विशेष रूप से मानसून के दौरान - जून से सितंबर तक - जब मेंढपाळ अपने मूल गांवों में लौटते हैं, तब चराई के लिए आवश्यक हरित क्षेत्र की उपलब्धता में कठिनाई आती है। इसका सीधा असर मेंढियों के स्वास्थ्य और उनकी उत्पादकता पर पड़ता है, जिससे इन परिवारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के पशुसंवर्धन विभाग और इतर मागासवर्गीय विभाग (अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग) की ओर से मानसून काल के लिए विशेष चराई अनुदान योजना चलाई जा रही है। इसके तहत पात्र मेंढपाळ परिवारों को जून से सितंबर तक प्रति माह ६,००० रुपये की दर से कुल २४,००० रुपये की सहायता दी गई है।इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अपनाई गई थी। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी विकास महामंडळ द्वारा लॉटरी पद्धति से कंप्यूटराइज्ड प्रणाली के जरिए लाभार्थियों का चयन किया गया। जिलावार और तालुकावार लक्षांक तय कर पात्र मेंढपाळों की सूची तैयार की गई। सरकार का यह कदम मेंढपाळ समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और पशुपालन को टिकाऊ बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले में घोड़ा राइडर सैयद आदिल हुसैन शाह की बहादुरी की मिसाल

स्रोत: NDTV, India Today, The Indian Express, The Week, Reuters, Wikipedia

२२ अप्रैल २०२५ को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में २७ लोगों की मौत हो गई। इस हमले में एक स्थानीय घोड़ा राइडर सैयद आदिल हुसैन शाह ने अपनी जान की परवाह किए बिना कई पर्यटकों को बचाने की कोशिश की। वे इस हमले में शहीद हो गए, लेकिन उनकी बहादुरी आज देशभर में सराही जा रही है।

क्या हुआ उस दिन?

सैयद आदिल हुसैन शाह एक अनुभवी घोड़ा राइडर थे जो वर्षों से पर्यटकों को पहलगाम की खूबसूरत घाटियों में घुड़सवारी कराते थे। जिस दिन हमला हुआ, वे एक पर्यटक परिवार को वापस ला रहे थे तभी आतंकियों ने हमला कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आतंकियों ने पहले पुरुषों को अलग किया और फिर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इस बीच, सैयद आदिल ने बहादुरी दिखाते हुए एक आतंकी से बंदूक छीनने की कोशिश की। इसी दौरान वे गोली लगने से घायल हो गए और मौके पर ही शहीद हो गए।

सरकारी और स्थानीय प्रतिक्रिया:

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुद आदिल शाह के जनाज़े में भाग लिया और उन्हें हमारे समय का सच्चा हीरो बताया।

राज्य सरकार ने आदिल के परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

सोशल मीडिया पर लोग उन्हें 'शहीद आदिल' कह कर श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स क्या कहती हैं?

NDTV और खपवळर ढेवरू ने रिपोर्ट किया कि सैयद आदिल अकेले स्थानीय नागरिक थे जो मारे गए। उन्होंने पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए जान गंवाई।

ढहश खपवळरप एुर्शिीी ने उनके परिवार और गांव के लोगों के बयान छापे जो बताते हैं कि वे कितने जिम्मेदार और ईमानदार इंसान थे।

Reuters ने बताया कि आदिल ने आतंकियों का ध्यान भटकाया ताकि बाकी लोग भाग सकें।

ढहश थशशज्ञ के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उन्हें गर्व का प्रतीक बताया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

Wikipedia के २०२५ पहलगाम हमले के पृष्ठ पर भी आदिल शाह का नाम दर्ज है।

निष्कर्ष:

सैयद आदिल हुसैन शाह ने न केवल एक घोड़ा राइडर के रूप में, बल्कि एक सच्चे नागरिक के रूप में भी अपनी भूमिका निभाई। उनके साहस, बलिदान और इंसानियत की यह कहानी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। उनका नाम हमेशा आदर के साथ लिया जाएगा।

तस्वीर नामा

पुजा का प्रसाद

रो रहा है दिल कश्मीर के हालात पर.
पर चर्च है पुजा के ज़जबात पर.
बारदु पर कि मोहब्बत की खेती!
बीड़ को गर्व है इस सौगात पर.।

काजी मखदूम

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, हर्षवर्धन सपकाल ने की आतंकवाद के स्थायी समाधान की मांग

रिपोर्टर: विशेष प्रतिनिधि, मुंबई

मुंबई, २३ अप्रैल:

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना हमले के विरोध में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को दादर में जोरदार विरोध मोर्चा निकाला। इस दौरान पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ तीखा विरोध दर्ज किया गया और आतंकियों के स्थायी खात्मे की मांग की गई।

टिळक भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई, जिसके बाद मोर्चा निकाला गया। पाकिस्तान मुर्दाबाद, भारत माता की जय जैसे नारों के साथ सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मार्च में हिस्सा लिया।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने इस अवसर पर कहा,

यह हमला पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा किया गया है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह इस गंभीर हमले पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर एकमत से कठोर निर्णय ले। हमें मिलकर यह संदेश देना चाहिए कि अब भारत ऐसा कोई भी आतंकवादी हमला बर्दाश्त नहीं करेगा। आतंकवाद का स्थायी समाधान निकालना ही होगा।

कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने भी तीखा हमला बोलते हुए कहा,

इस आतंकी हमले में २६ पर्यटकों की मौत हुई है, जिनमें महाराष्ट्र के तीन नागरिक भी शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों को इसकी कोई सूचना नहीं थी? यह सीधे तौर पर सुरक्षा व्यवस्था की विफलता है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम क्यों नहीं था? सरकार को इसका जवाब देना होगा।

इस मोर्चे में हर्षवर्धन सपकाळ, विजय वडेट्टीवार, पूर्व सांसद हुसैन दलवाई, ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष भानुदास माळी, प्रदेश महासचिव रमेश शेट्टी, श्रीरंग बरगे, प्रदेश सचिव जिशान अहमद, आनंद सिंह, धनराज राठौड़ सहित कई नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ मुंबई में जोरदार विरोध प्रदर्शन, रज़ा अकैडमी और आल इंडिया सुन्नी जमीयत-उल-उलेमा ने आतंकियों के ठिकानों पर सख्त कार्रवाई की मांग की

मुंबई, २३ अप्रैल (अज़ीज़ अज़ाज़):

जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले में ३० से अधिक निर्दोष नागरिकों की मौत से देशभर में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस दर्दनाक घटना के विरोध में मुंबई में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों की ओर से जोरदार प्रदर्शन किया गया।

बुधवार को नमाज-ए-ज़ुहर के बाद सनी बिलाल मस्जिद, छोटा सोनापुर (मुंबई) में आयोजित इस विरोध सभा में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। उलेमा, मशायख, छात्र और आम नागरिकों ने एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। इस मौके पर आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद और दहशतगर्द मुर्दाबाद जैसे गगनभेदी नारे लगाए गए।

दरगाह मखदूम पाक कुछौछा शरीफ के सज्जादा नशीन और अध्यक्ष - 'ऊ इंडिया सुन्नी जमीयत-उल-उलेमा, हज़रत मौलाना सैयद मोइनुद्दीन अशरफ अशरफी जिलानी 'मोइन मियां' ने अपने संबोधन में कहा:

पहलगाम हमला एक शर्मनाक और अमानवीय कृत्य है। भारत सरकार को

चाहिए कि आतंकियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करे। जो लोग इस शैतानी गिरोह से जुड़े हैं, उन्हें खोजकर सड़क पर फांसी दी जाए, ताकि कोई भी भविष्य में भारत की ओर बुरी नजर से देखने की हिम्मत न कर सके।

उन्होंने कहा कि यह हमला किसी एक धर्म पर नहीं बल्कि पूरी इंसानियत पर हमला है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मंजूनाथ, सैयद सईद और मोहम्मद हुसैन की शहादत इस बात का प्रमाण है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और इसे धार्मिक चश्मे से देखना अन्याय है।

रज़ा अकैडमी के प्रमुख अलहाज मोहम्मद सईद नूरी ने भी आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कहा:

अब समय आ गया है कि आतंकियों के सभी कैंपों पर सीधे हमले किए जाएं। पूरा देश अपनी सेना के साथ पहले भी खड़ा था और आज भी खड़ा है। हमारा स्पष्ट मांग है कि इन हत्यारों को जल्द से जल्द उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने पहलगाम हमले को भारत पर हमला बताते हुए कहा कि आतंकवादी इंसान नहीं, शैतान हैं। उन्होंने शहीदों के परिजनों के साथ एकजुटता जताई और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की दुआ की। इस अवसर पर कई धार्मिक नेताओं ने एकता, भाईचारे और शांति का संदेश दिया और जनता से अफवाहों से बचने तथा देश की अखंडता के लिए एकजुट रहने की अपील की।

हज़रत मौलाना एजाज़ अहमद कश्मीरी ने कहा कि आतंकियों ने सुनियोजित तरीके से गोलीबारी की और नाम पूछकर लोगों को निशाना बनाकर हिंदू-मुस्लिम तनाव फैलाने की साजिश की। उन्होंने मीडिया और सरकार से अपील की कि इस हमले को किसी धर्म से जोड़कर न देखा जाए, क्योंकि आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है, उसका कोई मजहब नहीं होता।

हज़रत मौलाना अमानुल्लाह रज़ा ने कहा कि यह हमला पर्यटन पर सीधा हमला है, जिससे भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। सरकार को चाहिए कि तत्काल जांच कर आतंकियों को फांसी पर लटकाया जाए।

हज़रत मौलाना मोहम्मद अब्बास रिज़वी ने कहा कि इस समय गर्मी की छुट्टियों में लाखों सैलानी कश्मीर जा रहे थे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा था, और यही बात आतंकवादियों को बर्दाश्त नहीं हुई। उन्होंने मांग की कि रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और प्रधानमंत्री इस हमले को गंभीरता से लें और सेना को आतंकियों के ठिकानों पर कार्रवाई की तुरंत अनुमति दी जाए।

अपघातग्रस्त पत्रकार को आर्थिक मदत

जिंतूर मराठी पत्रकार संघ का उपक्रम

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) शहर के पत्रकार तथा वृत्तपत्र विक्रेता मोटारसायकल से जालना से जिंतूर की ओर आ रहे थे! रास्ते मे उनके मोटारसायकल का ऐक्सिडंट हुवा! और वो गंभीर घायल हुवे! उनका ऑपरेशन करने के लिये! तालुका मराठी पत्रकार संघ की ओर से २५ हजार रुपये की आर्थिक मदत की गई!

सविस्तर जानकारी इस प्रकार हैं! शहर के दैनिक गाववाला के पत्रकार तथा वृत्तपत्र विक्रेता शेख निशाद अहेमद ये अपने परिवार के साथ मोटारसायकल से जालना से जिंतूर की ओर आ रहे थे! जिंतूर से १८ कि मी दुर पिंपरी (ड्रायव्हर) गाव के पास गतिरोधक पर उनका मोटारसायकल पर से ताबा छुटा और ऐक्सिडंट हो गया! इस ऐक्सिडंट मे पत्रकार निशाद अहेमद के चहेरे को बुरी तरहा मार लगा! चेहरे की दो हड्डीया टुट गई! और उनके पत्नी और लडकी को मामुली सा मार लगा था! उन पर सरकारी रुग्णालय मे प्राथमिक उपचार कर चहेरे के ऑपरेशन के लिये! जिल्हा के प्रायव्हेट दवाखाने मे दाखल किया गया! उनकी आर्थिक हालत खराब होने से और ऑपरेशन का खर्च बहोत जियादा होने पर जिंतूर तालुका मराठी पत्रकार संघ की ओर से नगदी २५ हजार रुपये की आर्थिक मदत की गई! और दर्पण दिन के अवसर पर पत्रकारो का सामुहिक बिमा निकाला गया था! उस विमा की रक्कम दिलाने का आश्वासन इस वक्त दिया गया! पत्रकार संघ के मार्गदर्शक जेष्ठ पत्रकार एम ए माजीद,निहाल अहेमद,शेख अहेमद, पत्रकार संघ के अध्यक्ष शेख शकील उर्फ बबलु, कार्याध्यक्ष बालाजी शिंदे, सचिव ज्ञानेश्वर रोकडे,शेख वाजीद, एम एजाज जिंतूरकर,शेख अलीम, महेश देशमुख, रियाज चाऊस,शेख अहेमद, रामप्रसाद कंठाळे, आदी पत्रकार उपस्थित थे!

ग्रामीण सड़कों के विकास के लिए किए जा रहे हैं सुनियोजित प्रयास-अमरसिंह पंडित

ईटकुर रोड पर १५८ लाख रुपये की लागत से पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ

गेवराई, २३ अप्रैल (प्रतिनिधि): गेवराई तालुका के रामा ५२ से ईटकुर - शिंपेगांव - लोळदगांव मार्ग पर स्थित साखळी क्र. १/९१० पर १५८.१३ लाख रुपये की लागत से बनने वाले पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ नारायणगड के मठाधिपति ह.भ.प. शिवाजी महाराज और जय भवानी सहकारी शक्कर कारखाना के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित के शुभहस्ते किया गया।

इस अवसर पर अमरसिंह पंडित ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क सुविधा बेहतर बनने से विकास की गति बढ़ती है। उन्होंने बताया कि सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाओं के निर्माण के लिए वे सुनियोजित तरीके से प्रयासरत हैं।

शुभारंभ समारोह में ह.भ.प. शिवाजी महाराज ने कहा कि अमरसिंह पंडित के पास विकास की स्पष्ट दृष्टि है और वे ही इस क्षेत्र का समुचित विकास कर सकते हैं। इस दौरान मंच पर शिंपेगांव दत्त संस्थान के मठाधिपति ह.भ.प. हनुमान महाराज गिरी सहित कई मान्यवर उपस्थित थे।

पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित ने ईटकुर में जारी अखंड हरिनाम सप्ताह के समापन कार्यक्रम में भी भाग लिया और वहां उपस्थित नागरिकों से संवाद किया।

गेवराई विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में उच्च गुणवत्ता वाले विकास कार्य हो रहे हैं। विधायक विजयसिंह पंडित के प्रयासों से ग्रामीण मार्गों के विकास हेतु भरपूर निधि प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राष्ट्रीय महामार्ग ५२ से ईटकुर-शिंपेगांव-लोळदगांव मार्ग पर साखळी क्र. १/९१० पर यह पुल निर्माण कार्य आरंभ किया गया है।

इस अवसर पर मंच पर ह.भ.प. शिवाजी महाराज, ह.भ.प. हनुमान महाराज गिरी, ह.भ.प. धुराजी बाबा, ह.भ.प. करांडे महाराज, सरपंच राजेंद्र वारंगे (मादळमोही), विकास रकटे (आहेरचिंचोली), जयसिंग जाधव (पूर्व पं.स. सदस्य), दत्ता भोजगुडे, अरुण वाघमारे (पूर्व सरपंच), उपअभियंता पोपटराव जोगदंड, नितीन वीर व अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सुधीर गाडे ने किया और आभार प्रदर्शन प्राचार्य अर्जुन मासाळ ने किया।

इस अवसर पर सरपंच पांडुरंग शिंदे, विष्णू पिसाळ, अतुल नलावडे, सुभाष एरंडे, सखाराम जाधव, बंडू परदेशी, वैजिनाथ मासाळ, त्रिंबक ढेंगळे, वसंत ढेंगळे, चंद्रकांत जाहेर, माणिक मासाळ, श्रीराम मासाळ, सतिष देवकते, भागवत ढेंगळे, सुनिल ढेंगळे, मच्छिंद्र वडमारे, सतिष ढेंगळे, सिध्देश्वर जाहेर, गणेश ढेंगळे, गणेश जाहेर, अमोल लोखंडे, शहादेव ढेंगळे, अशोक ढेंगळे, पांडुरंग सिराम, संतोष सिराम, हनुमान ढेंगळे, बंडू जाहेर, विनायक मासाळ, बाबासाहेब मासाळ, मधुकर ढेंगळे, माणिकराव मासाळ सहित ईटकुर, शिंपेगांव, लोळदगांव, शहाजानपुर और आसपास के नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

माजलगांव में डाला गया दहशत का तीसरा साया: व्यक्ति के सिर पर पत्थर मारकर हत्या की कोशिश

माजलगांव, २३ अप्रैल (प्रतिनिधि):

माजलगांव में आपराधिक घटनाओं की सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता की दिनदहाड़े हत्या और उसके बाद एक ढाबा मालिक की बिल को लेकर की गई निर्मम हत्या के बाद अब एक और वारदात ने शहर को झकझोर कर रख दिया है। बुधवार को तेलगांव रोड स्थित महिंद्रा ट्रैक्टर्स के शोरूम के पास एक युवक के सिर पर पत्थर मारकर उसकी जान लेने की कोशिश की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लऊळ निवासी उत्तम बाबासाहेब विघ्ने और एक अन्य व्यक्ति के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। यह विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में आकर आरोपी ने विघ्ने के सिर पर भारी पत्थर से वार कर दिया। इस जानलेवा हमले में विघ्ने गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति को भी चोटें आई हैं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घटना के बाद माजलगांव ग्रामीण पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

बीते एक सप्ताह में हुई इन तीन खौफनाक घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। माजलगांव जैसे शांत माने जाने वाले शहर में एक के बाद एक हो रही हिंसक घटनाओं ने नागरिकों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि जल्द से जल्द इन घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए और आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए।

दहशतवादी हल्ल्यात मृतांच्या कुटुंबियांना ५ लाख तर जखमींना ५० हजाराची मदत-मुख्यमंत्री फडणवीस

जमीर काझी

मुंबई : जम्मू आणि काश्मीरमधील पहलगाम येथे झालेल्या भ्याड दहशतवादी हल्ल्यात महाराष्ट्रातील सहा जणांचा मृत्यू झाला आहे. या हल्ल्यात जखमी झालेल्यांना आणि मृतांच्या कुटुंबियांना राज्य सरकारने आर्थिक मदत जाहीर केली आहे. मृतांच्या कुटुंबियांना प्रत्येकी ५ लाख आणि जखमींना प्रत्येकी ५० हजार रुपयांची मदत जाहीर करण्यात आली आहे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी बुधवारी ही माहिती दिली.

जखमीवरील सर्व उपचाराचा खर्च व सर्व पर्यटकांना परत राज्यात आणण्यासाठी विशेष विमानाची सोय करण्यात येत आहे त्याचा सर्व खर्च राज्य सरकार करणार असल्याचे त्यांनी जाहीर केले.

पहलगाममध्ये पर्यटनासाठी आलेल्या पर्यटकांवर हा हल्ला झाला. या हल्ल्याने संपूर्ण राज्यात खळबळ उडाली आणि सरकारने तातडीने प्रतिसाद देत मदत जाहीर केली. याशिवाय, काश्मीरमध्ये अडकलेल्या महाराष्ट्रातील पर्यटकांना परत आणण्यासाठी एका विशेष विमानाची व्यवस्था केली जात आहे. मुख्यमंत्र्यांनी या हल्ल्याचा तीव्र निषेध केला आणि असे भ्याड हल्ले रोखण्यासाठी केंद्र आणि राज्य सरकार कठोर पावले उचलत असल्याचे सांगितले. हल्ल्यात मृत्युमुखी पडलेल्या आणि जखमी झालेल्यांच्या कुटुंबियांना सर्वतोपरी मदत करण्याचे आश्वासनही त्यांनी दिले.

जरूरी सूचना: बीड के आज़मीने हज के लिए टीकाकरण और मेडिकल जांच २६ अप्रैल को

बीड, २४ अप्रैल (प्रतिनिधि) - बीड जिले के मरकज़-ए-खिदमात-ए-हज्जाज की ओर से २०२५ में हज यात्रा के लिए चयनित आज़मीने हज के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। केंद्र ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी बीड से हज पर जाने वाले सभी हाजियों के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र और वैक्सीनेशन अनिवार्य किया गया है।

यह प्रक्रिया २६ अप्रैल २०२५, शनिवार को सुबह ९:०० बजे से शाम ५:०० बजे तक मरकज़-ए-खिदमात-ए-हज्जाज, बीड में आयोजित की जाएगी। *ए'ए हाजियों से अनुरोध किया गया है कि वे समय पर उपस्थित हों और निम्नलिखित आवश्यक दस्तावेज़ साथ लाएं:

१. हज जाने वाले हाजी अपना कवर नंबर और इंट्रोडक्शन आईडी कार्ड साथ लेकर आएं।

२. मूल आधार कार्ड अपने साथ लाएं।

३. बच्चों को साथ न लाएं।

यह सूचना चेयरमैन मोहम्मद जमीउल क़ादिर (गघ) द्वारा जारी की गई है। अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें:

मो. ९९७०५३२१६८ (चेयरमैन मोहम्मद जमीउल क़ादिर गघ)

मो. ७०२०५९२३२८ (फारूक इरफान)

- मरकज़-ए-खिदमात-ए-हज्जाज, बीड

(हज यात्रियों के लिए निशुल्क सेवा व प्रशिक्षण केंद्र)

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com